Contributing to Region's Growing Business Ecosystem, IIM Raipur Launches Certificate Program in Entrepreneurship

Editor's Synopsis:

- Certificate Program in Entrepreneurship, specially crafted for aspiring entrepreneurs.
- Commencing from November 6th 2024.
- Last date to apply- 15th October 2024.
- This three-month, non-residential course is specifically designed to empower Raipur residents and foster entrepreneurship within the local community.
- Sessions will be conducted in a blend of English and Hindi.

Raipur, 30th September, 2024: Indian Institute of Management (IIM) Raipur, is pleased to announce the launch of its Certificate Program in Entrepreneurship, specially crafted for aspiring entrepreneurs. Commencing from November 6th 2024, the program is designed to nurture and empower aspiring entrepreneurs by providing them with the essential skills and practical knowledge needed to launch and manage successful businesses.

Budding entrepreneurs possessing a graduation degree in any discipline with a minimum age of 21 years can apply by 15th October 2024 (https://cpe.iimraipur.edu.in/).

This three-month, non-residential course is specifically designed to empower Raipur residents and foster entrepreneurship within the local community. By providing targeted training and support, the program aims to cultivate a thriving entrepreneurial ecosystem that contributes to the region's economic growth.

Inviting budding entrepreneurs to upskill themselves with this program, Dr. Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur shared, "We believe entrepreneurs are the propellers of India's economic growth. With an aim to enrich Raipur's entrepreneurial ecosystem, our expertise has meticulously designed this curriculum to meet the requirements of our local community. We are confident that this initiative will bridge the gap between start-up ecosystems and the delivery of skills required for their success. IIM Raipur will offer required mentorship and networking opportunities to entrepreneurs, ensuring their long-term success."

Post-culmination, participants will have developed a practical understanding of essential business disciplines. They will gain hands-on knowledge of legal, regulatory, and compliance standards. Additionally, the program will include sessions on presentation skills, design thinking, and training techniques, among others.

Immersive learning experiences will be the cornerstone of this program. Through hands-on activities, practical exercises, and real-world case studies, participants will gain a deep understanding of business principles. Participants will experience a stress-free learning environment with minimal theoretical content. The focus will be on real-life business scenarios, providing an in-depth look into the nuts and bolts of entrepreneurship. Opportunities to interact with like-minded individuals, building a network of fellow entrepreneurs and mentors will provide valuable insights and inspiration. To ensure

accessibility for all, sessions will be conducted in a blend of English and Hindi. Field trips, interactive demonstrations, and visual presentations will enhance the learning process.

क्षेत्र के बढ़ते व्यापारिक इकोसिस्टम में योगदान देते हुए, भा.प्र.सं. रायपुर ने उद्यमिता में प्रमाणपत्र कार्यक्रम शुरू किया

संपादक की मुख्य बातें:

- उद्यमिता में प्रमाणपत्र कार्यक्रम, खासतौर से इच्छुक उद्यमियों के लिए तैयार किया गया।
- शुरू हो रहा है 6 नवंबर 2024 से।
- आवेदन की अंतिम तिथि - 15 अक्टूबर 2024
- यह तीन महीने का, गैर-आवासीय कोर्स रायपुर के निवासियों को सशक्त बनाने और स्थानीय समुदाय में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है।
- सत्र अंग्रेजी और हिंदी के मिश्रण में आयोजित किए जाएंगे।

रायपुर, 30 सितंबर, 2024: भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उन्होंने इच्छुक उद्यमियों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए उद्यमिता में प्रमाणपत्र कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह कार्यक्रम 6 नवंबर 2024 से शुरू हो रहा है और इसका उद्देश्य इच्छुक उद्यमियों को वह आवश्यक कौशल और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है जो एक सफल व्यवसाय शुरू करने और प्रबंधित करने के लिए आवश्यक हैं।

21 वर्ष की न्यूनतम आयु और किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री रखने वाले इच्छुक उद्यमी 15 अक्टूबर 2024 तक आवेदन कर सकते हैं (https://cpe.iimraipur.edu.in/)।

यह तीन महीने का, गैर-आवासीय कोर्स रायपुर के निवासियों को सशक्त बनाने और स्थानीय समुदाय में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए खासतौर से तैयार किया गया है। लक्षित प्रशिक्षण और समर्थन प्रदान करके, यह कार्यक्रम एक संपन्न उद्यमी इकोसिस्टम का निर्माण करने का लक्ष्य रखता है जो क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि में योगदान देगा।

कार्यक्रम में रुचि रखने वाले उद्यमियों को आमंत्रित करते हुए, भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक डॉ. राम कुमार काकानी ने कहा, “हम मानते हैं कि उद्यमी भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रेरक हैं। रायपुर के उद्यमिता इकोसिस्टम को समृद्ध करने के उद्देश्य से, हमारे विशेषज्ञों ने स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को सावधानीपूर्वक तैयार किया है। हमें विश्वास है कि यह पहल स्टार्टअप इकोसिस्टम और उनके सफल होने के लिए आवश्यक कौशल के बीच की खाई को पाटेगी। भा.प्र.सं. रायपुर उद्यमियों को आवश्यक मार्गदर्शन और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करेगा, जिससे उनकी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित हो सके।”

कार्यक्रम के अंत तक, प्रतिभागी आवश्यक व्यापारिक विषयों की व्यावहारिक समझ विकसित कर लेंगे। उन्हें कानूनी, नियामक, और अनुपालन मानकों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में प्रस्तुति कौशल, डिज़ाइन थिंकिंग, और प्रशिक्षण तकनीकों पर सत्र शामिल होंगे।

इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता है व्यावहारिक अनुभव। हाथ से किए जाने वाले कार्य, व्यावहारिक अभ्यास, और वास्तविक जीवन के केस स्टडीज़ के माध्यम से प्रतिभागी व्यापारिक सिद्धांतों की गहरी समझ प्राप्त करेंगे। प्रतिभागियों को एक बिना तनाव वाले शैक्षणिक माहौल का अनुभव मिलेगा, जहां सैद्धांतिक सामग्री को न्यूनतम रखा जाएगा। ध्यान वास्तविक व्यावसायिक परिदृश्यों पर केंद्रित रहेगा, जिससे उद्यमिता के बारीक पहलुओं की गहरी जानकारी मिलेगी। समान सोच वाले लोगों के साथ बातचीत करने, और अन्य उद्यमियों और मार्गदर्शकों का नेटवर्क बनाने के अवसर से प्रतिभागियों को मूल्यवान दृष्टिकोण और प्रेरणा मिलेगी। सभी के लिए पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, सत्र अंग्रेजी और हिंदी के मिश्रण में आयोजित किए जाएंगे। फील्ड ट्रिप, इंटरैक्टिव प्रदर्शन, और दृश्य प्रस्तुतियाँ सीखने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाएंगी।